Date	**01.07.2015**
Publication	HT Cafe
Edition	Mumbai

Vidya stands for equality

As the face of a film festival in Australia, Balan has asked the organisers to promote the theme of equality at the event this year

Dibyojyoti Baksi
dibyojyoti.baksi@hindustantimes.com

Vidya Balan has supported several causes in India, and often voices her opinions about socially-relevant subjects. Now, the actor, who has been roped in as the brand ambassador of the Indian Film Festival Melbourne for the fourth year, has suggested that the organisers choose 'equality' as the theme of the function this year.

The event that celebrates Indian cinema internationally, will begin on August 14 in Melbourne, Australia. "Vidya might conduct discussions around the topic during the festival, but nothing has been decided as of now," says a source.

Vidya confirmed the news, and said, "Equality is something that I feel very passionately about, and in today's times, nothing seems more imperative than a free and equal world. I believe that art and films can help condition and change mindsets and attitudes, and I am overjoyed to see such wonderful films and events at the festival that will celebrate, and embrace the diversity that define us."

I believe that art and films can help condition and change mindsets and attitudes.
– Vidya Balan, actor

Date	**02.07.2015**
Publication	Amar Ujala
Edition	Agra, Chandigarh, Dehradun, Lucknow

'समानता' की पक्षधर

विद्या बालन ने न केवल फिल्मों में बल्कि वास्तविक जिंदगी में भी समानता ले लिए बहुत काम किए हैं। 2015 उनके लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस साल वह फिल्म जगत में अपने सफल कैरियर के 10 साल पूरे कर रहीं हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वो निरंतर भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में फैलाने के लिए खुद को सदैव लगाए रखेंगी। 2012 में शुरू हुए इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबोर्न के मुख्य चेहरे के रूप में देखे जाने वाली विद्या लगातार चौथे वर्ष भी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होंगी। 14 से 27 अगस्त 2015 तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न शहर में होने वाले इस फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। इस साल इस फेस्टिवल की थीम 'समानता' है, जिसे खुद विद्या ने ही सुझाया है। यह फेस्टिवल भावी फिल्मकारों के लिए एक ऐसा अवसर है, जहां वो अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन कर सकते हैं।

Date	**02.07.2015**
Publication	Yashobhoomi
Edition	Mumbai

इंडियन फिल्म फेस्टिवल में शामिल होंगी विद्या

नई दिल्ली, मनोरंजन जगत में कुछ ऐसे चुनिंदा कलाकार हैं जो किरदारों को परिभाषित नहीं, बल्कि चरित्र को पूरी संजीदगी से जीते हुए उनको एक नई परिभाषा दे देते हैं और विद्या बालन उनमें से एक हैं। वह चमत्कारिक रूप से एक लंबे समय से निरंतर यही विधा अपनाई हुई है। उन्होंने जो भी किरदार निभाया है वो सदा के लिए अमर हो गया है और शायद इसीलिये विद्या के व्यक्तित्व में एक जादुई अनूठी छाप देखते ही बनती है। चाहे उनका फिल्म 'कहानी' का मार्मिक किरदार हो या फिल्म 'डर्टी पिक्चर' में सफलता के पीछे दीवानी सिल्क स्मिता का चरित्र, प्रतिभावान विद्या ने हमेशा से ही सामाजिक अतिक्रमण के खिलाफ आवाज उठायी है। वर्ष २०१५ उनके लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष वह फिल्म जगत में अपने सफल कैरियर के १० साल पूरे कर रहीं हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वो निरंतर भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में फैलाने के लिए खुद को सदैव लगाये रखेंगी। २०१२ में शुरू हुए इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबोर्न के मुख्य चेहरे के रूप में देखे जाने वाली विद्या बालन लगातार चौथे वर्ष भी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होंगी। १४ से २७ अगस्त २०१५ तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न शहर में होने वाले इस फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस फेस्टिवल की थीम 'समानता' है जिसे खुद विद्या बालन ने ही सुझाया है। यह फेस्टिवल भावी फिल्मकारों के लिए एक ऐसा अवसर है जहाँ वो अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन कर सकते है। इस बारे में विद्या का कहना है कि आज के समय में स्वतंत्र और समान दुनिया की परिकल्पना से ज्यादा जरूरी शायद ही कुछ और हो सकता है और समानता एक ऐसा विषय है जिसे लेकर वह हमेशा से ही अत्यधिक उत्साही रहीं हैं। उन्हें यह विश्वास है कि कला और फिल्में, परिस्थितियों, द्रष्टिकोणों और मानसिकताओं को बदलने का वजूद रखती हैं और वह बेहद खुश हैं कि इस तरह की शानदार फिल्में और कार्यक्रम इस आयोजन में प्रदर्शित होने जा रहे हैं जिसके माध्यम से उन सभी विभिन्नताओं का खुले दिल से स्वागत किया जा सकता है।

Date	**03.07.2015**
Publication	Hamara Mahanagar
Edition	Mumbai, Pune

'समानता' की पक्षधर हैं विद्या बालन!

मनोरंजन जगत में कुछ ऐसे चुनिंदा कलाकार है, जो किरदारों को परिभाषित नहीं, बल्कि चरित्र को पूरी संजीदगी से जीते हुए उनको एक नयी परिभाषा दे देते हैं और विद्या बालन उनमे से एक हैं। वह चमत्कारिक रूप से एक लंबे समय से निरंतर यही विधा अपनाई हुई है। उन्होंने जो भी किरदार निभाया है वो सदा के लिए अमर हो गया है और शायद इसीलिए विद्या के व्यक्तित्व में एक जादुई अनूठी छाप देखते ही बनती है। चाहे उनका फिल्म 'कहानी' का मार्मिक किरदार हो या फिल्म 'डर्टी पिक्चर' में सफलता के पीछे दीवानी सिल्क स्मिता का चरित्र, प्रतिभावान विद्या ने हमेशा से ही सामाजिक अतिक्रमण के खिलाफ आवाज उठाई है। एक अत्यंत प्रभावशाली आभावान इस अभिनेत्री ने न केवल फिल्मों में बल्कि वास्तविक जिन्दगी में भी समानता ले लिए बहुत कार्य किए हैं। वर्ष 2015 उनके लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। क्योंकि इस वर्ष वह फिल्म जगत में अपने सफल कैरियर के 10 साल पूरे कर रहीं हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वो निरंतर भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में फैलाने के लिए खुद को सदैव लगाए रखेंगी। 2012 में शुरू हुए इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबोर्न के मुख्य चेहरे के रूप में देखे जाने वाली विद्या बालन लगातार चौथे वर्ष भी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होंगी। 14 से 27 अगस्त 2015 तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न शहर में होने वाले इस फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस फेस्टिवल की थीम 'समानता' है, जिसे खुद विद्या बालन ने ही सुझाया है। यह फेस्टिवल भावी फिल्मकारों के लिए एक ऐसा अवसर है जहां वो अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन कर सकते है। इस बारे में विद्या का कहना है कि आज के समय में स्वतंत्र और समान दुनिया की परिकल्पना से ज्यादा जरूरी शायद ही कुछ और हो सकता है और समानता एक ऐसा विषय है, जिसे लेकर वह हमेशा से ही अत्यधिक उत्साही रहीं हैं। उन्हें यह विश्वास है कि कला और फिल्में, परिस्थितियां, दृष्टिकोणों और मानसिकताओं को बदलने का वजूद रखती हैं और वह बेहद खुश हैं कि इस तरह की शानदार फिल्में और कार्यक्रम इस आयोजन में प्रदर्शित होने जा रहे हैं। जिसके माध्यम से उन सभी विभिन्नताओं का खुले दिल से स्वागत किया जा सकता है, जो कहीं न कहीं हम सभी को परिभाषित करती है।

Date	**03.07.2015**
Publication	Rajasthan Patrika
Edition	Bhopal. Indore, Jaipur, Raipur

मेलबर्न फेस्टिवल में विद्या

2012 में शुरू हुए 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' में लगातार चौथी बार विद्या बालन मुख्य आकर्षण होंगी। 14 से 27 अगस्त तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में होने वाले फेस्टिवल की इस वर्ष थीम 'समानता' है।

पत्रिका Fri, 03 July 201
epaper.patrika.c

Date	**04.07.2015**
Publication	Sakal Times
Edition	Pune

...and Vidya to endorse equality at Indian Film Festival of Melbourne

The actress, who will be seen as the face of the Indian Film Festival of Melbourne for the fourth time in a row, says she will stand for equality and encourage efforts that advocate such causes during the festival.

The Indian Film Festival of Melbourne that celebrates Indian cinema internationally will kickstart from August 14 and go on till August 27 in Melbourne. This year, the festival theme is equality which Vidya had suggested. The festival will provide an opportunity to aspiring filmmakers on the global stage to showcase their craft.

"Equality can be in any form — gender, disability etc.. The first step is awareness and this is our step towards it. I feel very passionate about this and I am happy to extend my hand to any effort which supports and advocates to embrace the diversity that defines us all," Vidya said.

The festival will also help in raising funds for the Royal Melbourne Children's Hospital and encourage Indian cinema on a global platform. ST

Date	**03.07.2015**
Publication	Sandesh
Edition	Mumbai, Ahmedabad

વિદ્યાની ફેન

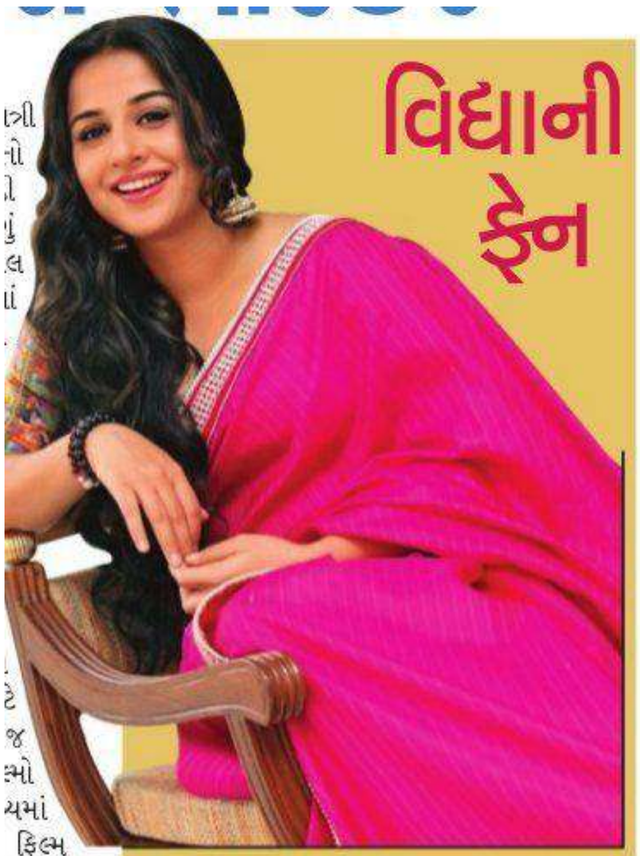

સામાજિક કાર્યો અને મહિલા સશક્તીકરણ ક્ષેત્રે પ્રદાન બદલ વિદ્યા બાલનનું સન્માન કરવામાં આવ્યું છે. તો બીજી બાજુ વિદ્યાના ફેન ફોલોઈંગ પણ ગજબ છે. તાજેતરમાં જ એક ફેન (ચાહક)ના સ્નેહથી વિદ્યા અભિભૂત થઈ ગઈ હતી. વિદ્યાની આ તરુણવયની ફેન દિલ્હીથી મુંબઈ મુસાફરી કરીને તેને મળવા પહોંચી ગઈ હતી. વિદ્યા બાલન જ્યાં રહે છે તે બિલ્ડિંગ નીચે પહોંચી ગઈ હતી. આ ફેન વિદ્યાને સ્ક્રેપબુક ભેટ આપવા માગતી હતી. સ્ક્રેપબુક જ શા માટે તેવો સવાલ થવો સ્વાભાવિક છે, તો જવાબ એ છે કે વિદ્યા બાલનના ફિલ્મ ઈન્ડસ્ટ્રીમાં દસ વર્ષ પૂરાં થવાની ખુશીમાં સ્ક્રેપબુક આપવા માગતી હતી. ફેન વિદ્યાના ઘરની બહાર અડધો દિવસ ઊભી રહીને રાહ જોઈ રહી હતી. તે દરમિયાન બિલ્ડિંગમાં પ્રવેશ દરમિયાન વિદ્યાની નજર એકાએક આ છોકરી પર પડી. પૂછપરછ કરતાં વિદ્યાએ તરત જ ઘરે આવવાનું આમંત્રણ આપ્યું. વિદ્યાએ પછી તો ફેન સાથે કલાકથી વધુ સમય વિતાવ્યો. ફેનની સામે જ વિદ્યાએ સ્ક્રેપબુક ખોલી અને જોઈ. ફેનની લાગણીથી વિદ્યા ગદ્ગદ થઈ ગઈ.

સંદેશ Fri, 03 July 2015
sandesh.epapr.in/c/5787944

Date	**04.07.2015**
Publication	Ajit Samachar
Edition	Delhi, Punjab

मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव का चेहरा होंगी विद्या

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसी) : बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन लगातार चौथी बार मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव का चेहरा होंगी और उनका कहना है कि वह समानता तथा प्रोत्साहन भरे प्रयासों का समर्थन करती हैं, जिसकी वकालत इस महोत्सव में की जाती है। फिल्म महोत्सव की शुरुआत 14 अगस्त से होगी और समापन 27 अगस्त को होगा। इस साल महोत्सव का विषय समानता है, जिसका सुझाव खुद विद्या ने दिया। महोत्सव फिल्मकार बनने के इच्छुक लोगों को वैश्विक मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका दिलाएगा। विद्या ने आईएएनएस से कहा, ''समानता किसी भी रूप में हो सकती है, चाहे लिंग या अक्षमता आधारित। पहला कदम जागरूकता है और यह इस दिशा में हमारा कदम है। मैं इसे लेकर बहुत जुनून महसूस करती हूं और मैं किसी भी ऐसे प्रयास में हाथ बंटाने पर खुश हूं।'' महोत्सव के जरिए मेलबर्न चिल्ड्रेन्स हॉस्पीटल के लिए धन इकट्ठा किया जाएगा और वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा को बढ़ावा मिलेगा।

Date	**05.07.2015**
Publication	Mumbai Samachar
Edition	Mumbai

કેમ રાખી તે તો ખબર નથી. આ વાત

વિતે તેવી શુભેચ્છા

સમાનતાના હક માટે સવિસ્તર ચર્ચા

ભારતીય ફિલ્મ મહોત્સવમાં ૪થી વાર ભાગ લેશે વિદ્યા

બોલિવૂડમાં પોતાના અભિનયથી લોકપ્રિય થનાર વિદ્યા બાલન ફરી એકવાર ભારતીય ફિલ્મ મહોત્સવનો ભાગ બનવાની છે. આ અગાઉ તે ત્રણ વાર ભારતીય ફિલ્મ મહોત્સવનો ભાગ બની છે. વિદ્યાએ જણાવ્યું હતું કે સમાનતા અને પ્રોત્સાહન એકસમાન હોવું જોઈએ જે વાતને મારું સમર્થન છે. મહોત્સવમાં આ વિષયે સવિસ્તર ચર્ચા કરવામાં આવે છે. બોલિવૂડ અભિનેત્રીઓને પણ સમાન હક્ક અને એકસમાન મહેનતાણાં મળે એ માટે આ મહોત્સવની જ્યૂરી કટિબદ્ધ છે. ચર્ચા બાદ કેટલાક નિર્ણય લેવામાં આવે છે. મને આ તક ચોથી વાર મળી રહી છે તે માટે હું ભારતીય ફિલ્મ મહોત્સવની ખૂબ જ આભારી છું. ફિલ્મ મહોત્સવની શરૂઆત ૧૪ ઓગસ્ટથી થશે. આ વર્ષે મહોત્સવનો વિષય સમાનતા છે જેનું સૂચન વિદ્યાએ પોતે આપ્યું હતું. વિદ્યાએ તાજેતરમાં દંતકથા સમાન કોમેડી એક્ટર ચાર્લી ચેપ્લિનને આદરાંજલિ રૂપે તેના જેવા વસ્ત્રો પરિધાન કરી એક મેગેઝિન માટે ફોટોશૂટ કરાવ્યું હતું. વિદ્યા ફિલ્મોમાં અભિનય ઉપરાંત સામાજિક તેમ જ સખાવતી કાર્યોમાં અગ્રેસર મનાય છે.

Date	06.07.2015
Publication	Samachar Varta
Edition	New Delhi

'समानता' की पक्षधर हैं विदयाबालन

मनोरंजन जगत में कुछ ऐसे चुनिंदा कलाकार है जो किरदारों को परिभाषित नहीं, बल्कि चरित्र को पूरी संजीदगी से जीते हुए उनको एक नयी परिभाषा दे देते हैं और विद्या बालन उनमे से एक है।वह चमत्कारिक रूप से एक लंबे समय से निरंतर यही विधा अपनाई हुई है।उन्होने जो भी किरदार निभाया है वो सदा के लिए अमर हो गया है और शायद इसीलिये विद्या के व्यक्तित्व में एक जादुई अनूठी छाप देखते ही बनती है। चाहे उनका फिल्म 'कहानी' का मार्मिक किरदार हो या फिल्म 'डर्टी पिक्चर' में सफलता के पीछे दीवानी सिल्क स्मिता का चरित्र, प्रतिभावान विद्या ने हमेशा से ही सामाजिक अतिक्रमण के खिलाफ आवाज़ उठायी है।

एक अत्यंत प्रभावशाली आभावान् इस अभिनेत्री ने न केवल फिल्मो मे वरन् वास्तविक जिन्दगी में भी समानता ले लिए बहुत कार्य किये हैं।

वर्ष 2015 उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष वह फ़िल्म जगत में अपने सफल कैरियर के 10 साल पूरे कर रहीं हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वो निरंतर भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में फैलाने के लिए खुद को सदैव् लगाये रखेंगी।

2012 में शुरू हुए इडियन फ़िल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबोर्न के मुख्य चेहरे के रूप में देखे जाने वाली विद्या बालन लगातार चौथे वर्ष भी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होगी। 14 से 27 अगस्त 2015 तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न शहर में होने वाले इस फेस्टिवल मे भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा इस वर्ष इस फेस्टिवल की थीम 'समानता' है जिसे खुद विद्या बालन ने ही सुझाया है।यह फेस्टिवल भावी फिल्मकारों के लिए एक ऐसा अवसर है जहाँ वो अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन कर सकते है।

इस बारे में विद्या का कहना है कि आज के समय मे स्वतंत्र और समान दुनिया की परिकल्पना से ज्यादा जरूरी शायद ही कुछ और हो सकता है और समानता एक ऐसा विषय है जिसे लेकर वह हमेशा से ही अत्यधिक उत्साही रही हैं। उन्हें यह विश्वास है कि कला और फिल्मे, परिस्थितियों, दृष्टिकोणों और मानसिकताओं को बदलने का वजूद रखती है और वह बेहद खुश हैं कि इस तरह की शानदार फिल्में और कार्यक्रम इस आयोजन में प्रदर्शित होने जा रहे हैं जिसके माध्यम से उन सभी विभिन्नताओं का खुले दिल से स्वागत किया जा सकता है, जो कहीं न कहीं हम सभी को परिभाषित करती है।

Date	06.07.2015
Publication	Aaple Mahanagar
Edition	Mumbai

मेलबर्नमध्ये विद्या बालन करणार भारतीय चित्रपट महोत्सवाचे चौथ्यांदा प्रतिनिधित्व

मेलबर्न येथे होणाऱ्या भारतीय चित्रपट महोत्सवाचे प्रतिनिधित्व करण्याची संधी अभिनेत्री विद्या बालन हिला मिळाली आहे. विद्याचे यंदा हे सलग चौथे वर्ष आहे. या महोत्सवाच्या यशस्वितेसाठी केल्या जाणाऱ्या प्रयत्नांचे समर्थन केले जाते. या वर्षी विद्याच्या शिफारसीनुसार महोत्सवाचा विषय 'समानता' आहे. विद्याच्या मते समानता कोणत्याही स्वरूपात असू शकते. मग ती लिंग अथवा क्षमतेच्या आधारावर असू दे. पहिले पाऊल जागरूकता हे आहे आणि त्या दिशेने पहिले पाऊल आहे. मी या दृष्टीकोनातून खूप उत्साहित आहे आणि अशा महत्वपूर्ण विषयात मदत करण्यास मी नेहमीच उत्सुक असते, असे विद्या म्हणाली. या उपक्रमासाठी मेलबर्न बाल रुग्णालयासाठी निधी संकलित केला जाईल. सिनेनिर्माते बनण्याची इच्छा असलेल्या लोकांना या महोत्सवात जागतिक मंचावर आपली कला सादर करण्याची संधी मिळेल आणि जागतिक स्तरावर भारतीय सिनेमाला देखील प्रोत्साहन मिळेल.

Date	**06.07.2015**
Publication	Prabhat Khabar
Edition	Kolkata, Ranchi, Patna

समानता की पक्षधर हैं विद्या

मनोरंजन जगत में कुछ ऐसे चुनिंदा कलाकार हैं, जो किरदारों को परिभाषित नहीं, बल्कि चरित्र को पूरी संजीदगी से जीते हुए उनको एक नयी परिभाषा दे देते हैं. विद्या बालन भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं. वर्ष 2015 उनके लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इस वर्ष वह फिल्म जगत में अपने सफल कैरियर के 10 साल पूरे कर रहीं हैं. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वह निरंतर भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में फैलाने के लिए खुद को सदैव तत्पर रखेंगी. वर्ष 2012 में शुरू हुए इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबोर्न के मुख्य चेहरे के रूप में देखी जानेवाली विद्या बालन लगातार चौथे वर्ष भी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होंगी.

प्रभात खबर Tue, 07 July 2015
epaper.prabhatkhabar.com/c/5800775

India Down Under

Every country and many large cities seem to be hosting their own versions of Indian film festivals—from New York and London to Los Angeles and Melbourne. Vidya Balan has been the face of the Indian Film Festival of Melbourne for four years now, including its latest edition this August. Apparently, Balan suggested the theme for this year's festival—equality. There is also a competition for nominated films such as *PK*, *Haider*, *Piku*, and *Dum Laga Ke Haisha*, and festival travellers including *Haaramkhor*, *Dhanak* and *Court*. Judging these films will be director Nikhil Advani (*D-Day*), film critic Rajeev Masand and TV host Simi Garewal. The jury also includes Australian film personalities.

INDULGE Fri, 17 July 2015
epaper.newindianexpr

Date	**17.07.2015**
Publication	New Indian Express-Indulge
Edition	Chennai, Bangalore